

पि न मर्पयेत् *MBu.* 48, 25. *nachsehen, entschuldigen, ruhig hinnehmen, verzeihen*: इमाम्मे शरणिं मीमयो नः *RV.* 1, 31, 16. यः क्षितो मर्पयति *M.* 8, 313. स्पृष्टो वा मर्पयेत्तथा 338. न वयं मर्पयेमहि *MBu.* 2, 2372. स तैरभिकृतः संख्ये नामर्पयत 3, 706. *Buāg.* P. 4, 3, 11. मर्पय मर्पय *MBu.* 18, 6, 123, 12. तत्रामर्पयत (so die ed. Bomb.) *MBu.* 13, 7434. एकापराधं मे मर्पयस्व *Hariv.* 7129. R. 4, 38, 3. 6, 12, 1. नैवविधमस्तकारं राघवो मर्पयिष्यति R. 2, 61, 19. 4, 13, 2. Spr. 738. 1323. एतान्यमर्पस्थानानि मर्पितानि त्वया *MBu.* 7, 9092. 8421. विप्रियं तव मर्पितम् *Buāg.* P. 6, 3, 42. साहमे वर्तमानं तु यो मर्पयति पार्थिवः so v. a. *gewähren lassen M.* 8, 346. तास्तत्र निवसतः पाण्डवान्वाल्म्यात्प्रभृति उर्योधनो नामर्पयत् *er konnte es nicht ruhig ansehen, dass sie dort wohnten, MBu.* 1, 3820. ग्रहं तं मर्पयिष्यामि किमर्थं स्त्रोत्रितं हरिम् *Hariv.* 7332. कथं ते सूतपुत्रेण वध्यमानो प्रियो सतीम् मर्पयति यथा क्लोवाः *leiden, dass sie MBu.* 4, 479. R. 5, 27, 25. दासीनो रावणस्याहं मर्पयामि न दुर्बला so v. a. *ich kann das nicht von ihnen ertragen 6, 98, 30. Construction von न मर्पयामि (मर्पये) ich leide nicht, dass P.* 3, 3, 145. fgg. *Vārti.* zu 147. *Vop.* 25, 11. fgg. *घमर्पितं ungehalten (MBu.* 4, 757. 7, 456. R. 2, 22, 1. R. *Gorr.* 2, 6, 9. 4, 9, 13. 5, 39, 31. *Kāthās.* 47, 71. *Buāg.* P. 1, 7, 51. धर्षणामर्पित R. 6, 90, 12. *घमर्पिततर* 28, 6) ist auf *घमर्प* zurückzuführen. Vgl. *डुर्मर्पित*. — *intens. ertragen, gestatten*: मामृपदेव वरिः *Kauç.* 3, 137. — *घप, partic. मृषित (वाक्य) P.* 1, 2, 20, Sch. *Vop.* 26, 104. — *घपि vergessen, vernachlässigen*: एतद्वचो ज्ञातुर्मापि मृष्टाः *RV.* 3, 33, 8. न ते गिरि घपि मृष्टे तुरस्य 7, 22, 5. न तं पूषापि मृष्यते 6, 34, 4. — *घा geduldig ertragen*: घनामृष्य ततः क्षेपम् *MBu.* 12, 12324. घामृष्यते P. 1, 3, 52, Sch. — *caus. dass*: नैतदामर्षयाम्यहम् *MBu.* 7, 454. 456. R. *Gorr.* 2, 24, 11. 38, 32. घनामर्षयमाण 4, 12, 38. पुनस्त्वागमने शक्तिं शोच्रे नामर्षयाम्यहम् so v. a. *ich vermag nicht 5, 1, 60. — पर्या Jmd (acc.) Widerstand leisten*: सैन्धवं येन (धनुषा) राजानं पर्यामृतवानथ (पर्यामृत चानथ: ed. Calc.) *MBu.* 4, 164. — *उप caus. geduldig ertragen, ruhig hinnehmen, nachsehen*: तच्च तस्योपमर्षितम् *MBu.* 3, 2819. येन धर्मसूते दृष्टा (so die ed. Bomb.) न सा श्रीहृषमर्षिता so v. a. *gegönnt 2813. — परि act. P.* 1, 3, 82. *Vop.* 22, 1. *ungehalten sein auf Jmd (dat.)*: मधोने परिमृष्यतम् (= *असूयतम्* Schol.) *Buāt.* 8, 52. — *प्र vergessen, vernachlässigen*: मा नो अग्रे सृष्ट्या पित्र्याणि प्र मर्षिष्ठाः *RV.* 1, 71, 10. न ततै अग्रे प्रमृष्ये निवर्तनम् 3, 9, 2. act. mit dat. der Sache: यस्तै र्वा घरागुरिः प्रमर्ष्य मघर्ष्ये 8, 43, 13. — Vgl. *अप्रमृष्य*. — *वि s. u. मर्ष* mit *वि*. *मर्प* (von *मर्प*) m. *geduldiges Ertragen HALĀJ.* 4, 40. *ईषन्मर्ष Vop.* 26, 199. — Vgl. *अ*, *डुमर्ष*. *मर्षणा* (wie oben) 1) adj. *vergebend*: अघौघ *Buāg.* P. 4, 7, 61. — 2) n. *geduldiges Ertragen*: धर्षणा *R.* 4, 13, 3. ब्राह्मणानाममर्षणात् *das Ungehaltensein auf Brahmanen MBu.* 13, 2159. = *ब्राह्मणकोपासकृतात् Nilak.* *ईषन्मर्षणा Vop.* 26, 199. — Vgl. *अ* (adj. auch R. 2, 26, 8), *अघ*, *डुर्मर्षणा*. — Vgl. *मर्षन*. *मर्षणीय* (wie oben) adj. *geduldig zu ertragen, nachzusehen, zu verzeihen*: मर्षणीयं च मे तस्य चेष्टितम् R. 5, 63, 26. नहि मे मर्षणीयो ऽयमर्जुनस्य व्यतिक्रमः *MBu.* 1, 7961. 7, 70 (*मर्ष* zu lesen st. *ऽमर्ष*) = 8,

1730. *Prab.* 33, 2. न मर्षणीयाः संग्रामे विश्रमन्तः अमान्विताः *haben keinen Anspruch auf Nachsicht MBu.* 7, 8420.

*मर्पिन्* (wie oben) adj. *geduldig, langmüthig, nachsichtig AK.* 3, 4, 14, 83. Spr. 3386. *अ* (s. auch bes.) *MBu.* 4, 1876. *Kāthās.* 30, 8. *अत्यमर्पिन् Buāg.* P. 3, 1, 37. *अमर्पित* (= *अपराधिपु क्षातिः* Schol.) *Kām.* Nitis. 8, 10.

*मर्पिका* f. *ein best. Metrum RV. Prāt.* 17, 12; vgl. *Ind. St.* 8, 113.

*मल, मैलति halten Dhātup.* 14, 22. *मलैयति Vop.* zu *Dhātup.* 33, 84. — Vgl. *मल्ल*.

1. *मैल* (मलै *Ugāval.* zu *Unādis.* 1, 109) 1) n., in der späteren Sprache auch m., *Schmutz, Unrath* (in der physischen und in der moralischen Welt); = *क्रिद, विप, पाप AK.* 2, 6, 2, 16. 3, 4, 26, 199. H. 631. an. 2, 503. *Med.* I. 43. *Halāj.* 3, 15. *Viçva* bei *Ugāval.* a. a. O. *स्विन्नः स्नात्वा मलादिव AV.* 6, 113, 3. 7, 89, 3. *घ्रायः प्र मलं वक्तु 10, 3, 24. Ait.* Br. 7, 13. *TS.* 7, 2, 10, 3. *मलपङ्कानुलिताङ्गो MBu.* 3, 2667. *मलादिग्धाङ्गो 3001. वपुर्मलसमाचितम् 2701. मलेन संवृतः 2699. सुस्नातं पुरुषं मलवर्जितम् Spr.* 3276. *प्रस्वेदनलसंस्त्रिष्ट Vet.* in *Lā.* (II) 23, 15. *Daçak.* in *Bēnp.* Chr. 184, 9. *मलोपकृतप्रसादे दर्पणतले Çak.* 191. Schol. zu *Kāty.* Çr. 15, 10, 3. 19, 2, 7. 25, 3, 9. *Suçr.* 1, 20, 6. 92, 18. 143, 14. 247, 21. *नेत्रयोर्मलम् AK.* 2, 6, 2, 18. *जिह्वा, दन्तत्र Trik.* 2, 6, 19. *दृश्यते ध्यायमानानां धातूनां हि यथा मलाः M.* 6, 71. *लोहानां मलनिचयः Varāh.* Brh. S. 28, 5. *AK.* 2, 9, 99. *अनाम्रायमला वेदा ब्राह्मणस्यानृतं मलम्* || *मलं पृथिव्या वात्कोकाः पुरुषस्यानृतं मलम्* || *कौतूहलमला साधो विप्रवासमलाः स्त्रियः* || *सुवर्णस्य मलं द्रव्यं द्रव्यस्यापि मलं त्रपु* || *ज्ञेयं त्रपुमलं सीसं सीस्यापि मलं मलम्* || *MBu.* 3, 1524. fgg. *मानुषाणां मलं स्नेहकाः 8, 2095. मद्रको संगतं नास्ति मद्रको हि सदा मलः 1845. अन्नं शस्त्रविक्रयिणो मलम् M.* 4, 220. *सुरा वै मलमन्वानां पाप्मा च मलमुच्यते 11, 93. नैशमेनो व्यपोक्ति, मलं कृत्ति दिवा कृतम् 2, 102. 11, 101. 107. R.* 1, 26, 18. 20. *विनिर्धुताशेषमनो Buāg.* P. 4, 21, 31. *मानसो मलः Prāçakṣittat.* (s. u. *नैर्मल्य*). In der Medicin *Ausscheidungen* überh., namentlich *diejenigen der Dhātu*, nämlich aus *Chylus Phlegma*, aus *Blut Galle*, aus *Fleisch die Secretionen der Ohren, Nase u. s. w. (मलः खेपु)*, aus *Fett Schweiss*, aus *Knochen Nägel und Haare*, aus *Gehirn und Mark Augenbutter und Fettigkeit der Haut, Suçr.* 1, 248, 2. *eine Ausscheidung aus dem Samen wird nicht angenommen; Çāṇḍ.* Sañu. 1, 3, 5 setzt dafür *पिटिकाः* an (*यौवनोद्भवपिटिकाः*). *Suçr.* 1, 48, 1. 91, 1. 337, 10. *Vāgbu.* 1, 11, 23. fgg. *zwölf Unreinigkeiten des Körpers*: *वसा शुक्रमसृञ्ज्वा मूत्रविट्प्राविणखाः* || *श्लेष्माश्रु दृषिका स्वेदा दादशैते नृणां मलाः* || *M.* 3, 135. 134. *देहाच्च मलाश्च्युताः 132. त्रिमलं शरीरम् Garbhop.* in *Ind. St.* 2, 66. *निरोधानां* (so die ed. Bomb.) *निर्गमनं मलानां च पृथक्पृथक् MBu.* 14, 573. — 2) n. *Messing H.* 1049. *ein best. Metall, geringer als सीस, MBu.* 3, 1326 (s. oben u. 1.). — 3) m. n. *Kampher Çabdaç.* im *ÇKDr.* — 4) m. n. *Ossa Sepiae RATNAM.* im *ÇKDr.* — 5) adj. *schmutzig* so v. a. *geizig H.* an. *MRD.* *Viçva* a. a. O. *ungläubig, gottlos*; = *देवादिपूजायामश्रद्धः H.* 838. — 6) f. *आ* = *अमला Flacourtia cataphracta Roxb. Çabdaç.* im *ÇKDr.* — Vielleicht von *मल* (vgl. *मलान*). Vgl. *अ*, *कास्य*, *निर्मल*, *नासिका*, *बहु*, *वि*.

2. *मैल* n. *viell. gegerbtes Leder, ledernes Gewand*: *मुनयो वातरश्नाः पिशङ्गा वसते मला RV.* 10, 136, 2. — Vgl. *मलग*.